

कुछ विश्व प्रसिद्ध संगठन

क्र०सं०

संस्थान का नाम

- 1 यूनाइटेड नेशंस आर्गनाइजेशन, यू०एन०ओ० अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, शान्ति एवं राजनीतिक संगठन, आत्मनिर्भरता जैसी समस्याओं के समाधान हेतु एक संगठन बनाया गया। इसका मुख्यालय न्यूयार्क में है। इसका गठन 1944 में हुआ था।
- 2 राष्ट्र मण्डल यह ऐसे देशों का संगठन है जो ब्रितानी औपनिवेशिक साम्राज्य का अंग थे, लेकिन अब पूरी तरह स्वतंत्र हैं। ब्रिटेन की महारानी इसकी अध्यक्ष हैं।
- 3 आर्गनाइजेशन आफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कन्ट्रीज, ओपेक पांच प्रमुख पेट्रोलियम निर्यातक देशों ने (इराक, कुवैत, सउदी अरब, इरान और वेनेजुएला) अन्तर्राष्ट्रीय तेल कम्पनी का दबाव का सामना करने के लिये 1962 में इसका गठन किया। इसका मुख्यालय वियना (आस्ट्रिया) में है।
- 4 नार्थ एटलंटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन, नाटो सोवियत संघ के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिये 1949 में इसका गठन हुआ। इसका मुख्यालय ब्रूसेल्स (बेलजियम) में है।
- 5 आर्गेनाइजेशन आफ अफ्रिकन यूनिटी, ओ०ए०यू० तीस अफ्रीकी देशों के राष्ट्रीय अध्यक्षों ने 1963 में इसकी स्थापना की। इसका मुख्यालय अबाबा (इथोपिया) में है। इसका लक्ष्य अफ्रीकी राज्यों के बीच एकता को बढ़ावा देना है।
- 6 साउथ एशियन एसोसियेशन आफ रिजनल कोऑपरेशन, सार्क दक्षिण एशिया के सात देशों-भारत, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान ने दिसम्बर 1985 में इसकी स्थापना की। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर देशों से सहयोग को बढ़ावा देना है।
- 7 इन्टरपोल यह अन्तर्राष्ट्रीय पुलिस संगठन है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले अपराधों से निपटने के लिये 1923 में इसका गठन किया गया। इसका मुख्यालय पेरिस में है।
- 8 आसियान यह दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन है। इसकी स्थापना 1967 में इन्डोनेशिया, फिलिपीन्स, सिंगापुर व थाइलैण्ड ने की थी। 1984 में ब्रूनई भी इसका सदस्य बन गया। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में तेजी लाना है। इसका केन्द्रीय सचिवालय जकार्ता (इंडोनेशिया) में है।
- 9 यूनिसेफ 1946 में संयुक्त राष्ट्र शिशु आपात निधि के रूप में इसकी स्थापना की गयी थी। इसका उद्देश्य विकासशील देशों में बच्चों तथा माताओं की स्थिति सुधारना है।
- 10 यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम, यू०एन०डी०पी० विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी संस्था है जो 150 देशों के सदस्यों को तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण का कार्य करती है।

पंकज कुमार गर्ग, वरिष्ठ शोध सहायक